चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13-12-23	3	1-4

एचएयू एबिक सेंटर में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' पर वर्कशाप में वीसी बोले

कृषि में उद्यमियता की अपार संभावनाएं

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर एबिक में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग यूएनओ के योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहकार पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एजेंसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में समावेशी व्यवसाय विषय पर काम कर रहे उद्यमियों व किसानों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एबिक सेंटर युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है। एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

हरियाणा व तेलंगाना समावेशी व्यापार से जुड़ेंगे : मार्ता पेरेज

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग यूएनओ के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलंगाना में हकृवि और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उपरोक्त दोनों प्रदेशों के किसानों के संसाधनों का खर्चा कम करने व उनको आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उद्यमियों को समृद्ध बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि हकृवि द्वारा तैयार उन्नत फसल किस्मों के माध्यम से किसान लगातार पैदावार बढ़ा रहा है। साथ हैफेड किसानों के बासमती चावल के निर्यात करने में हर संभव प्रयास कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13-12-23	2	1-3

कृषि में उद्यमिता की अपार संभावनाएं

जागरण संवाददाता, हिसार: हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) में कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकार पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एंजेसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम भी उपस्थित रहे।

हकृवि में 'कार्यशाला को संबोधित करती योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंको। • पीआरओ

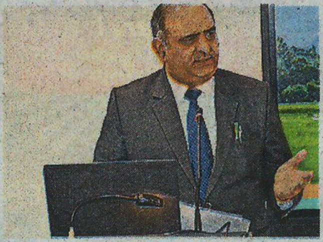

कार्यशाला को संबोधित करते हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। • पीआरओ

हरियाणा एवं तेलंगाना को समावेशी व्यापार से जोड़ा जाएगा

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलंगाना में हकृवि और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि में उद्यमिता की अपार संभावनाएं, बेरोजगार युवक फायदा उठाएं। कहा कि एबिक सेंटर न केवल चयनित स्टार्ट अप्स को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। एबिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है। हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि हकृवि द्वारा तैयार उन्नत फसल किस्मों के माध्यम से किसान लगातार पैदावार बढ़ा रहा है। हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहकार पवन चौधरी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश पूरे भारतवर्ष में उद्यमियों को समस्त सुविधाएं मुहैया करवाने में अव्वल है। ओएसडी एवं एबिक के डायरेक्टर डा. अतुल ढींगड़ा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डा. राजेश गेरा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13-12-23	4	1-3

कृषि में उद्यमिता विकास की संभावनाएं, युवा उठाएं लाभ

एचएयू के एबिक सेंटर में आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. कांबोज बोले

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विवि कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एंजेसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम भी उपस्थित रहें।

हरियाणा-तेलंगाना को समावेशी व्यापार से जोड़ेंगे

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलंगाना में एचएयू और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा।

कुलपति प्रो. कांबोज ने अपने संबोधन में समावेशी व्यवसाय विषय पर काम कर रहे उद्यमियों व किसानों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। एबिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर स्थापित कर सकें।

हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि एचएयू की ओर से तैयार उन्नत फसल किस्मों के माध्यम से किसान लगातार पैदावार बढ़ा रहा है। साथ ही हैफेड किसानों के बासमती चावल के निर्यात करने में हर संभव प्रयास कर रहा है। इस मौके पर विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकार पवन चौधरी, डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. राजेश गेरा सहित इंटेलिकेप ग्रुप, एफपीओ, नाबार्ड व अन्य बैंकों के अधिकारीगण, एग्रोनेक्सट एवं एबिक सेंटर के सदस्य भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	13-12-22	11	2-6

हकृवि के एबिक सेंटर में कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय पर कार्यशाला

हरियाणा व तेलगांना के किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा यूएनओ

- कृषि में उद्यमियता की अपार संभावनाएं बेरोजगार युवक उठाए फायदा : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) में कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के योजना अधिकारी इग्रनोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे।

इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एंजेसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम भी उपस्थित रहें।

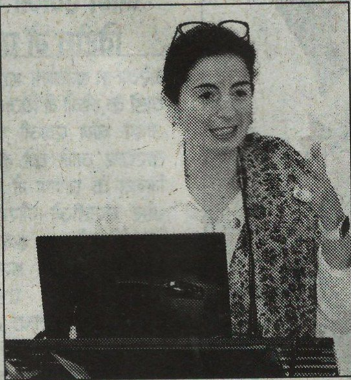

हिसार। कार्यशाला को संबोधित करती योजना अधिकारी इग्रनोसियो ब्लैंकों। फोटोः हरिभूमि

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलगांना में हकृवि और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उपरोक्त दोनों प्रदेशों के किसानों के संसाधनों का खर्चा कम करने व उनको आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उद्यमियों को समृद्ध बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी एवं एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा सहित इंटेलिकेप ग्रुप, एफपीओ, नाबार्ड व अन्य बैंकों के अधिकारीगण, एग्रोनेक्सट एवं एबिक सेंटर के सदस्य भी उपस्थित रहे।

एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एबिक सेंटर न केवल चयनित स्टार्ट अप्स को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। एबिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्राडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि हकृवि द्वारा तैयार उन्नत फसल किस्मों के माध्यम से किसान लगातार पैदावार बढ़ा रहा है। साथ ही हैफेड किसानों के बासमती चावल के निर्यात करने में हर संभव प्रयास कर रहा है। हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर पवन चौधरी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश पूरे भारतवर्ष में उद्यमियों को समस्त सुविधाएं मुहैया करवाने में अव्वल है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13-12-23	2	7-8

एबिक सैंटर में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला आयोजित

हिसार, 12 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वैस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सैंटर (एबिक) में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की।

इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग के योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वैस्ट इंडिया एजैसी के सीनियर असिस्टैंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम भी उपस्थित रहें।

यू.एन.ओ. के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलगांना में हकृवि और इन्वैस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	13-12-23	9	5-6

कृषि में रोजगार की अपार संभावनाएं, बेरोजगार उठाएं फायदा : काम्बोज

हिसार, 12 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आज एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर . काम्बोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की उन्होंने कहा कि कृषि में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और बेरोजगारों को इसका फायदा उठाना चाहिए। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इसके अलावा विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत एवं इन्वेस्ट इंडिया एंजेसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम भी उपस्थित रहें। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि एबिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.12.23	9	5-6

कृषि में उद्यमियता की अपार संभावनाएं : कुलपति

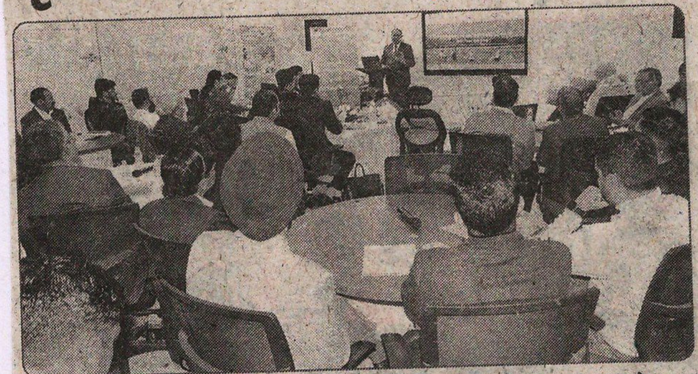

कार्यशाला को संबोधित करते हुए हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 12 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आज एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एजेंसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम भी उपस्थित रहें।कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में समावेशी व्यवसाय विषय पर काम कर रहे उद्यमियों व किसानों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एबिक सेंटर न केवल चयनित स्टार्ट अप्स को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। एबिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलगांना में हकृवि और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	12.12.2023	--	--

हरियाणा व तेलगाना के किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा यूएनओ : मार्ता पेरेज

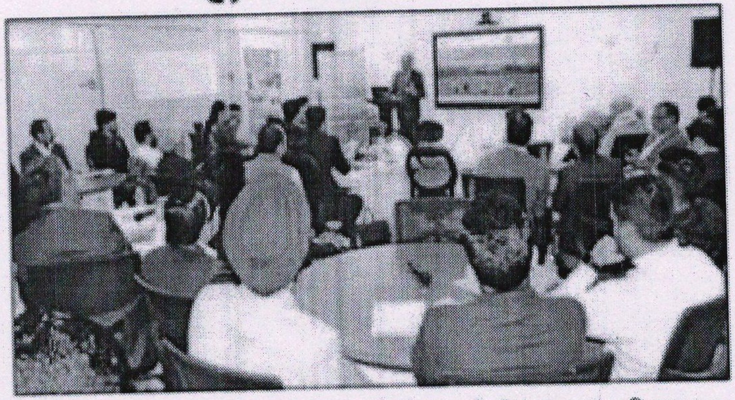

हिसार, 12 दिसंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आज एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के योजना अधिकारी इग्नोसियो ब्लैंकों, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज व परियोजना अधिकारी इशराक फजल मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर श्री पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन श्री कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एंजेसी के सीनियर असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट शिवम भी उपस्थित रहें। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में समावेशी व्यवसाय विषय पर काम कर रहे उद्यमियों व किसानों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एबिक सेंटर न केवल चयनित स्टार्ट अप्स को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। एबिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

हरियाणा एवं तेलंगाना को समावेशी व्यापार से जोड़ा जाएगा : मार्ता पेरेज

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्ता पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलगांना में हकृवि और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उपरोक्त दोनों प्रदेशों के किसानों के संसाधनों का खर्चा कम करने व उनको आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उद्यमियों को समृद्ध बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि हकृवि द्वारा तैयार उन्नत फसल किस्मों के माध्यम से किसान लगातार पैदावार बढ़ा रहा है। साथ ही हैफेड किसानों के बासमती चावल के निर्यात करने में हर संभव प्रयास कर रहा है। हरियाणा सरकार के विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहाकर पवन चौधरी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश पूरे भारतवर्ष में उद्यमियों को समस्त सुविधाएं मुहैया करवाने में अव्वल है। उन्होंने पीएम कुसुम योजना, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा, परिवार पहचान पत्र, किसान उत्पादक संगठन जैसी स्कीमों के बारे में संयुक्त राष्ट्र से आई टीम के सदस्यों को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने हरियाणा में स्थापित चार फूड पार्क, 3 हजार से ज्यादा फूड प्रोसेसिंग यूनिट, 5 कोल्ड चेन के कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश स्ट्राबेरी एवं दुग्ध उत्पादन में भी अव्वल है। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी एवं एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा सहित इंटेलिकेप ग्रुप, एफपीओ, नाबार्ड व अन्य बैंकों के अधिकारीगण, एग्रोनेक्सट एवं एबिक सेंटर के सदस्य भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	12.12.2023	--	--

कृषि में उद्यमियता की अपार संभावनाएं, बेरोजगार युवक उठाए फायदा : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आज एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सैंटर (एबिक) में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के योजना अधिकारी [illegible], आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्टा पेरेज व परियोजना अधिकारी [illegible] मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा सरकार में विदेशी सहकारिता विभाग के सलाहकार श्री पवन चौधरी, हैफेड के चेयरमैन श्री कैलाश भगत एवं हरियाणा सरकार में इन्वेस्ट इंडिया एजेंसी के सीनियर असिस्टेंट मैनेजर [illegible] भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में समावेशी व्यवसाय विषय पर काम कर रहे उद्यमियों व किसानों के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एबिक सेंटर न केवल प्रशिक्षित स्टार्ट अप को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। एबिक युवा व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग व मार्केटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहायता प्रदान करता है ताकि

वे अपने व्यवसाय को उच्च स्तर पर स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय हर जिले में स्थापित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से ग्रामीण व शहरी महिलाओं, युवाओं व प्रदेश के किसानों को स्वावलम्बी, समृद्ध और आर्थिक रूप से संपन्न बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि एचएयू प्रदेश के 6 लाख किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

हरियाणा एवं तेलंगाना को समावेशी व्यापार से जोड़ा जाएगा : मार्टा पेरेज

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) के आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्टा पेरेज ने बताया कि यह संगठन हरियाणा व तेलंगाना में एचएयू और इन्वेस्ट इंडिया के संयुक्त सहयोग से कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय विषय पर किसानों के हित और आमदनी बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत उपरोक्त दोनों प्रदेशों के किसानों के संगठनों का खर्चा कम करने व उनको आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उद्यमियों को समृद्ध बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत ने कहा कि हकृवि द्वारा तैयार उन्नत फसल किस्मों के माध्यम से किसान लगातार पैदावार बढ़ा रहा है। साथ ही हैफेड किसानों के बासमती चावल के निर्यात करने में हर संभव प्रयास कर रहा है।

उन्होंने पीएम कुसुम योजना, मेरी फसल-मेरा ब्यौरा, परिवार पहचान पत्र, किसान उत्पादक संगठन जैसी स्कीमों के बारे में संयुक्त राष्ट्र से आई टीम के सदस्यों को अवगत करवाया। साथ ही उन्होंने हरियाणा में स्थापित चार फूड पार्क, 3 हजार से ज्यादा फूड प्रोसेसिंग यूनिट, 5 कोल्ड चेन के कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश सहकारी एवं दुग्ध उत्पादन में भी अव्वल है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का विदेशी सहकारिता विभाग प्रदेश के उद्यमियों के उत्पादों को निर्यात करने पर निरंतर कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी एवं एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा सहित इंक्यूबेशन स्टाफ, एफपीओ, नाबार्ड व अन्य बैंकों के अधिकारीगण, एग्रीप्रेन्योर्स एवं एबिक सेंटर के सदस्य भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	12.12.2023	--	--

हकृवि में किया गया रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन

रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब कृषि में नए आयाम स्थापित करने में कारगर होगी: डॉ. आरसी. अग्रवाल

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में स्थित रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन लैब का उद्घाटन उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), आई. सी. ए आर., नई दिल्ली डॉ. आर.सी. अग्रवाल द्वारा कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज की अगुवाई में किया गया। यह रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब, नैशनल एग्रीकल्चरल हायर एजुकेशन प्रोजेक्ट (एनएएचइपी)-इंस्टीट्यूट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (आईडीपी) के अंतर्गत भारत सरकार और विश्व बैंक की सहायता से स्थापित की गई है। उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने उद्घाटन के दौरान कहा कि इस प्रकार की लैब भारतीय

कृषि को तकनीक के एक नए युग में पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कृषि तकनीक के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु एनएएचइपी-आईसीएआर की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कहा की हरियाणा के छात्रों के तकनीकी कौशल को बढ़ाने के लिए एनएएचइपी-आईसीएआर की तरह अन्य परियोजनाओं को जारी रखना चाहिए जिससे स्थानीय उद्योगों और वैश्विक कंपनियों के लिए कौशल युक्त अभियंता तैयार हो सके। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने कहा की इस लैब को स्थापित करने के पीछे मुख्य उद्देश्य छात्रों को कृषि, कृषि संबंधित तकनीकों में नवीनतम तकनीकों के साथ परिचित करना है जिनमे मुख्यतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, सेंसर, कैड डिजाइनिंग और सिम्युलेशन, प्रिसीजन कृषि आदि शामिल है। यह प्रयोगशाला विभिन्न सेंसर्स के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए उपयुक्त है। मोबाइल, कंप्यूटर, और सेंसर के माध्यम से विभिन्न कृषि गतिविधियों जैसे कि स्मार्ट फार्मिंग, प्राथमिक प्रसंस्करण, मृदा की नमी, मौसम की जानकारी, फसल के रोग और इसके उपचार जैसी कृषि सूचना को इन्टरनेट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के डीन डॉ. बलदेव डोगरा, विभागाध्यक्ष डॉ. विजया रानी सहित सभी महाविद्यालयों के डीन, निदेशक और अधिकारी तथा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं संकाय के सदस्य उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	12.12.2023	--	--

संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) की टीम ने हकृवि का किया दौरा, विभिन्न परियोजनाओं की दी जानकारी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 दिसम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनओ) की तीन सदस्यीय टीम ने दौरा किया। इस टीम में योजना अधिकारी इग्नेसियो फ्लोरेस, आर्थिक मामलों के अधिकारी मार्टा पेरेज व परियोजना अधिकारी इशतक फजल मौजूद रहे। इनके अलावा हरियाणा सरकार के विदेशी सहयोगिता विभाग से सुलोचना सैय सहित नई दिल्ली के ईटीकॉप ग्रुप से अमन गोयले, श्वेता भटनागर एवं शिवांशु शर्मा भी मौजूद रहे।

संयुक्त राष्ट्र संगठन से आई टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में बैठक की, जिसमें कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने टीम के सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक, गैर-शैक्षणिक सहित अन्य गतिविधियों, कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रत्येक गांव से जुड़ा हुआ है और सभी को तकनीकी सहायता के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करता रहा है। इस बैठक में विश्वविद्यालय की ओर से किसानों के हित के लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाएं, योजनाएं, फसलों की उन्नत किस्मों व प्रशिक्षणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के हर क्षेत्र में स्थापित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं, जिस पर संयुक्त राष्ट्र से आई टीम ने विश्वविद्यालय की

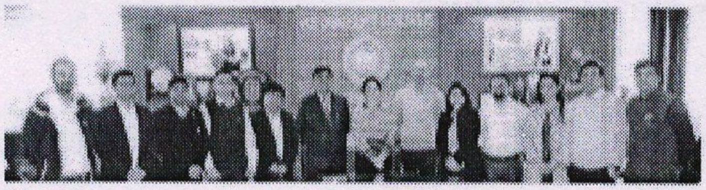

ओर से चलाई जा रही उपरोक्त योजनाओं की सराहना की। योजना अधिकारी इग्नेसियो फ्लोरेस ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय आर्थिक एवं सामाजिक आयोग का मुख्य उद्देश्य कृषि उद्यमियों को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार स्थापित करना है ताकि वो अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकें एवं आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें तथा हर कृषि उद्यमी किसानों से सीधे तौर पर जुड़कर उन्हें लाभ प्रदान करता रहे। इसके बाद टीम ने विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) का दौरा किया, जहां प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि एबिक सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, पैकेजिंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। अभी तक 100 से ज्यादा स्टार्टअप एबिक सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना स्वरोजगार शुरू कर चुके हैं। इस दौरान टीम के सदस्यों ने एबिक द्वारा स्थापित स्टार्टअप्स अल्फा एग्रानोमिक्स कंपनी के निदेशक नितिन सहिवाल, फार्मोज हर्बो की फार्म प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुभाष, धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक धर्मवीर, महिला उद्यमी दीपिका अहलावत, विशाल, अरविन्द, सतीश व प्राकृतिक खेती पर काम कर रहे मुकेश कम्बोज से उनके व्यवसाय के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही टीम ने यूनिक एंड यूनिक एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक रवींद्र खतरोड़ से मुलाकात कर फैक्टरी का भ्रमण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं इससे जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक सहित गैर-शिक्षक कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	12.12.2023	--	--

कृषि में उद्यमियता की अपार संभावनाएं, बेरोजगार युवक उठा सकते हैं फायदा : प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि के एबिक सेंटर में 'कृषि एवं खाद्य प्रणाली में समावेशी व्यवसाय' विषय पर कार्यशाला आयोजित

[illegible]

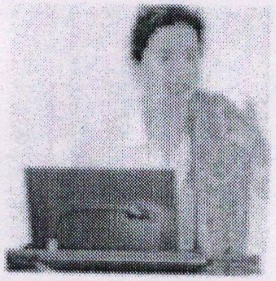

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13-12-23	5	5-6

आलू की फसल में बीमारी आने की जताई संभावना

- वैज्ञानिकों ने माडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया
- फफूंदनाशक छिड़काव करने की वैज्ञानिकों ने दी सलाह

जागरण संवाददाता, हिसार : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला-हिमाचल प्रदेश की तरफ से विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया माडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं। इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार जिले में आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि किसान मैन्कोजेब इंडोफील एन-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का उचित प्रबंध करें और खेतों को खरपतवार रहित रखें।

कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. एसके तेहलान ने कहा कि पिछेती झुलसा बीमारी फाइटोपथोरा इन्फेस्टाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पौधों के सभी भागों जैसे पत्तियों, तने व कदों पर दिखाई पड़ते हैं। पिछेती झुलसा बीमारी का प्रारंभिक लक्षण आलू के पौधों की पत्तियों पर धब्बों के रूप में दिखाई देता है जो बाद में गहरे भूरे तथा बैंगनी रंग में बदल जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आलू की फसल को पिछेती झुलसा बीमारी से बचाने के लिए समय-समय पर फफूंदनाशक दवाईयों का छिड़काव करते रहना चाहिए। साथ ही फसल की निगरानी हर 10 दिन के अंदर करते रहना चाहिए।

वैज्ञानिक डा. राकेश चुघ ने किसानों को आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के लक्षण और रोकथाम की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि आलू के पौधों की पत्तियों पर यदि धब्बें दिखाई देते हैं तो उसके चारो तरफ हल्के पीले रंग का घेरा भी बन जाता है। साथ ही मौसम में बदलाव होने पर तापमान में अधिक नमी का होना और बादल छाए रहते है तो धब्बे बड़े होने लग जाते हैं, जिससे पत्तियों की निचली सतह पर फफूंद की परत जमने लगती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	13-12-23	11	2-6

हकृवि वैज्ञानिकों ने किसानों को दी फफूंदनाशक छिड़काव करने की सलाह

आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के प्रकोप की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूवार्नुमान लगाया गया है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं। इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार जिले में आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का छिडकाव नहीं किया है या जिनकी आलू की

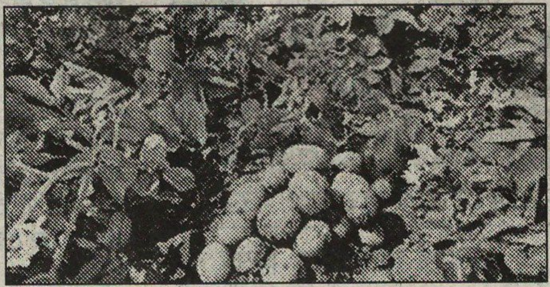

फसल में पिछेती झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। उन्हींने कहा कि किसान मैन्कोजेब इंडोफील एन-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिडकाव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का उचित प्रबंध करें और खेतों को खरपतवार रहित रखें।

पत्तियों पर धब्बे प्रारंभिक लक्षण : डॉ. तेहलान

कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. तेहलान ने कहा कि पिछेती झुलसा बीमारी फाइटोपथोरा इन्फेसटाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पौधों के सभी भागों जैसे पत्तियों, तने व कदों पर दिखाई पड़ते हैं। पिछेती झुलसा बीमारी का प्रारंभिक लक्षण आलू के पौधों की पत्तियों पर धब्बों के रूप में दिखाई देता है जो बाद में गहरे भूरे तथा बैंगनी रंग में बदल जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आलू की फसल को पिछेती झुलसा बीमारी से बचाने के लिए समय-समय पर फफूंदनाशक दवाइयों का छिड़काव करते रहना चाहिए। साथ ही फसल की निगरानी हर 10 दिन के अंदर करते रहना चाहिए। वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने किसानों को आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के लक्षण और रोकथाम की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि आलू के पौधों की पत्तियों पर यदि धब्बे दिखाई देते हैं तो उसके चारों तरफ हल्के पीले रंग का घेरा भी बन जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13-12-23	2	7-8

'आलू की फसल में पछेती झुलसा बीमारी के प्रकोप की आशंका'

एचएयू के कुलपति ने किसानों को फफूंदनाशक दवा के छिड़काव की सलाह दी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं।

इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार जिले में आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। किसान मैन्कोजेब इंडोफील एन-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें।

कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके तेहलान ने कहा कि पिछेती झुलसा बीमारी फाइटोपथोरा इन्फेसटाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पौधों के सभी भागों जैसे पत्तियों, तने व कंदों पर दिखाई पड़ते हैं। वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने बताया कि आलू के पौधों की पत्तियों पर यदि धब्बें दिखाई देते हैं तो उसके चारों तरफ हल्के पीले रंग का घेरा भी बन जाता है। तापमान में अधिक नमी होने पर धब्बे बड़े होने लग जाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13-12-23	4	7-8

आलू की फसल में पछेती झुलसा बीमारी

हिसार, 12 दिसम्बर (ब्यूरो): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान मैन्कोजेब इंडोफील एन-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का उचित प्रबंध करें और खेतों को खरपतवार रहित रखें। वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने बताया कि मौसम में बदलाव होने पर तापमान में अधिक नमी का होना और बादल छाए रहते है तो धब्बे बड़े होने लग जाते हैं, जिससे पत्तियों की निचली सतह पर फफूंद की परत जमने लगती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.12.23	5	5-6

हकृवि के वैज्ञानिकों ने आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के प्रकोप की संभावना जताई

हिसार, 12 दिसम्बर (विरेंद्र वर्मा): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं। इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार जिले में आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि किसान मैन्कोजेब इंडोफील एन-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का उचित प्रबंध करें और खेतों को खरपतवार रहित रखें।

कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. तेहलान ने कहा कि पिछेती झुलसा बीमारी फाइटोप्थोरा इन्फेसटाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पौधों के सभी भागों जैसे पत्तियों, तने व कंदों पर दिखाई पड़ते हैं। पिछेती झुलसा बीमारी का प्रारंभिक लक्षण आलू के पौधों की पत्तियों पर धब्बों के रूप में दिखाई देता है जो बाद में गहरे भूरे तथा बैंगनी रंग में बदल जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आलू की फसल को पिछेती झुलसा बीमारी से बचाने के लिए समय-समय पर फफूंदनाशक दवाइयों का छिड़काव करते रहना चाहिए। साथ ही फसल की निगरानी हर 10 दिन के अंदर करते रहना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	12.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के प्रकोप की संभावना जताई, फफूंदनाशक छिड़काव करने की दी सलाह

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 12 दिसंबर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं। इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार जिले में आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि किसान मैन्कोजेब इंडोफील एम-45 या मैनकोजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का उचित प्रबंध करें और खेतों को खरपतवार रहित रखें। कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. तेहलान ने कहा कि पिछेती झुलसा बीमारी फाइटोफ्थोरा इन्फेस्टाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पौधों के सभी भागों जैसे पत्तियों, तने व कंदों पर दिखाई पड़ते हैं। पिछेती झुलसा बीमारी का प्रारंभिक लक्षण आलू के पौधों की पत्तियों पर धब्बों के रूप में दिखाई देता है जो बाद में गहरे भूरे तथा बैंगनी रंग में बदल जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आलू की फसल को पिछेती झुलसा बीमारी से बचाने के लिए समय-समय पर फफूंदनाशक दवाईयों का छिड़काव करते रहना चाहिए। साथ ही फसल की निगरानी हर 10 दिन के अंदर करते रहना चाहिए। वैज्ञानिक डॉ. राकेश पुण ने किसानों को आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के लक्षण और रोकथाम की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि आलू के पौधों की पत्तियों पर यदि धब्बें दिखाई देते हैं तो उसके चारों तरफ हल्के पीले रंग का घेरा भी बन जाता है। साथ ही मौसम में बदलाव होने पर तापमान में अधिक नमी का होना और बादल छाए रहते है तो धब्बे बड़े होने लग जाते हैं, जिससे पत्तियों की निचली सतह पर फफूंद की परत जमने लगती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	12.12.2023	--	--

हकृवि के वैज्ञानिकों ने आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के प्रकोप की संभावना जताई, फफूंदनाशक छिड़काव करने की दी सलाह

पांच बजे न्यूज

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित इंडो-ब्लाइटकास्ट पैन इंडिया मॉडल से पिछेती झुलसा बीमारी का पूर्वानुमान लगाया गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक फसलों में आने वाली समस्याओं के बारे में समय से पहले किसानों को लगातार सलाह दे रहे हैं। इसी कड़ी में आलू से संबंधित किसानों को सलाह दी जा रही है कि भविष्य में हिसार जिले में आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी आने की संभावना है, जिन किसानों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंद-नाशक दवा का छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि किसान मैन्कोजेब इंडोफील एन-45 या मैनजेब दवा 600 से 800 ग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें। साथ ही 10 दिन के अंतराल में किसान आलू की फसल से जल निकासी का के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. तेहलान ने कहा कि पिछेती झुलसा बीमारी फाइटोपथोरा इन्फेसटाइंस फफूंद के कारण होता है, जिसका प्रभाव पौधों के सभी भागों जैसे पत्तियों, तने व कदों पर दिखाई पड़ते हैं। पिछेती झुलसा बीमारी का प्रांरभिक लक्षण आलू के पौधों की पत्तियों पर धब्बों के रूप में दिखाई देता है जो बाद में गहरे भूरे तथा बैंगनी रंग में बदल जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आलू की फसल को पिछेती झुलसा बीमारी से बचाने के लिए समय-समय पर फफूंदनाशक दवाईयों का छिड़कांव करते रहना चाहिए। साथ ही फसल की निगरानी हर 10 दिन के अंदर करते रहना चाहिए। वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ ने किसानों को आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के लक्षण और रोकथाम की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि आलू के पौधों की पत्तियों पर यदि धब्बें दिखाई देते हैं तो उसके चारो तरफ हल्के पीले रंग का घेरा भी बन जाता है। साथ ही मौसम में बदलाव होने पर तापमान में अधिक नमी का होना और बादल छाए रहते है तो धब्बे बड़े होने लग जाते हैं,

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पत्रस	12.12.2023	--	--

वैज्ञानिकों ने आलू की फसल में पिछेती झुलसा बीमारी के प्रकोप की संभावना जताई, छिड़काव करने की दी सलाह

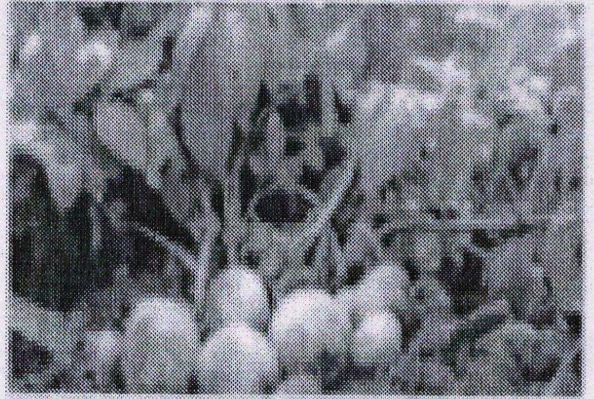

फसल की निगरानी हर 10 दिन के अंदर करते रहे किसान